

२३/६/२५

प्राणकी पेशी में की गई। वास पर

कोणार पर निर्दिष्ट किया  है

प्राणकी प्रत्येक सुधार कर प्रो. १

अथ की प्राण की प्राण देकर ही

प्राणी की अतिशय सुजाया गया।

सहायक कलापर
एव उपप्राध्यापिका
दुर्गा नगर